# **अ। । अर्थे मेर्ट् सेर्वे स्ट्रिंग के व्यक्ष मृत्रिये यहे सक्ष स्तुन कुनाक मृत्री**



# **७**रे क्.कैश

#### (ध्यदंगी १५)

- শ র্ন-শূ) শ্ব্রি-'বস্তুন'ভনম'র্জ্ঝ'ন্দ'। র্ক্তম'র্জুঝ'রম'ন্বর্মম'নুম্বুম'শ্বনম'শূ) র্নি-'শূ) মদের'লদ'।
- प व्यक्तासक्त्वास्त्रीस्ट स्याप्ताप्त वर्षः प्रविष्या वर्षः प्रविष्या वर्षः प्रविष्या वर्षः प्रविष्या वर्षः प्रविष्या
- म मिर्लेट, ट्रेट, तृष, टेट, मु. पूर, मी. थेट, मु. थे. क्ष्य, मिर्च, मु. मु. मिर्च, मु. मिर्च, मिर्च,
- ८ र्वेन र्सेन न्द र्वेन कुळे सर्केन र्योब कु त्येव प्रति क्षिस्स र्वेन कु नाम न रवना

#### **५५५ मिला**

- ग बृ:स्र्वाय: प्राप्त पर्वे : स्वायक्रिंग मिषाय इससाय वे : वे देवे : कुवाय वस्त्र मिष्टे ।
- व वर्षेट्र शासकेंग ने सह दास्य में भी पुवाद हो से शी की सह पु
- म व्योदः सः सक्त्यांची सः सहंदः यदिः दोना सः यन्तरः क्वें नासरः सेना विद्वेद्
- ८ वहिंब देश दुवा या ब्रुष प्याचर कु कु किंवा शास्त्र देवा किंदि प्राप्त र किं
- ૱ ૄઽઌઌઽૢ૽ૼૼૼ૱ઌૣ૾ૼૢૼઌઌઌૣ૽ૼ૱ઌઌ૱ઌઌૢઌઌ૽૽૽૽ૹૢ૽ૺઌૡ૽ૺ૱૱ ૱ૢઌઌઌ૽ૼૢૼ૱ઌ૱ઌૣ૽ૼ૱ઌઌ૱ઌ૱ઌઌઌ૽ૹઌૢઌ૽૽૽૽ૹૢ૽ૺઌૡ૽ૺ૱ઌ૽૱ઌૡ૽૱ઌૡ૽ૺ૱ઌૡ૽૱ઌૡ૽૱ઌ૱૱ઌઌ૽૽
- ক্ত বিদ্যৌশাৰ্শনেন্দা ঐন্ত: বৃদ্যৌদ্দ বিশ্ব Status of Tibet by Michael C. van Walt van Praag)
- ह र्वेन्'भेग'र्सून'र्सून'र्द्धन'र्द्दिन'र्द्धन'र्द्धन'र्द्धन'र्द्धन'र्द्धन'र्द्धन'र्द्धन'र्द्दिन'र्द्धन'र्द्धन'र्द्दिन'र्दिन'र्दिन'र्द्दिन'र्दिन'र्दिन'र्दिन'र्दिन'र्दिन'र्दिन'र्दिन'र्दिन'र्दिन'र्दिन'र्दिन'र्दिन'र्दिन'र्दिन'र्दिन'र्दिन्दिन्दिन'र्दिन्दि

# 1**ት ወ**ጣቜናነ

# (জেন্দী গ্র

- म है जू. १८०० बरा. १८५८ चर कुं चूर कुंद्र र कुंद्र र वह वा न र दें
- प्रचार्क क्षेत्र क
- म न्यु:स्रवे:प्रस् कु:श्रेन् हुस:न्र-वेन्कु:स्रनेंद्रःप्रमःहेन्।

#### **555শ**ৰী

- ग र्नु:अवे:व्यअ:कुं:इ:केंग्या www.mwa.tibet.net
- प र्वेन् स्रेविः क्षेत्रा प्रमुन्य प्राप्तीः प्रक्रित्य www.tibet.net/www.bod.asia
- न वहिंब देश दुन याब्र अपकुर यावर कु कु केंन्य कंब देन केंचिर देन
- र र्विर्धेग र्श्वेय र्श्वेद र्ड केंग्रा www.bodyiglobjong.com

### १२ क्विरायहरामेशानु।

### (জহনী, ১০)

- म के.र्यत.मी.रेतर.क्रीर.क्रीश.क्रिय.तश.च्रेर.क्री.क्रिय.वर्थर.व्युर्थ.पर.वीर.वर्ष.क्र्य
- वि कुर्यः क्षेत्रे क्रांचे देव के विश्व क्रांचिया
- व बरकेंबर्दरळवर्देवाचीयदीयाचा

## **নগ্ৰনশ্ৰী**

- শ ব্যথ শ্বৰ ব্যথ শ্বৰ শ্বি হাম শী হ' উপা www.dalailama.com / www.gyalwarinpoche.com
- দ র্হি-মিন্টিক্স্নীন্নের্ল্বামান্ত্র-ক্রিনামা www.tibet.net/www.bod.asia
- ८ ( इंट. प्रतः क्षतः द्वापादि संगुवः गुकः पत्रुकः इटः व्यर्षेटः का क्षाक्रिया की वासके दे पुरस्थः प्रते विकासी स

# ७ स्वयम्ब

#### (জহন্ম ৫০)

श्चिन त्यम् विष्या विषयः स्थान विषयः स्थान विषयः । (भिनायम् १४० व्यक्षः स्थान स्थान ।

**अक्रवा** १) में त्याप्रया न सुन प्रवित स्वाप्त स्व

